प्रतिक्रांतिकारी दमन योजना 'समाधान' के खिलाफ 25 से 31 जनवरी, 2019 तक प्रचार अभियान एवं 31 जनवरी को भारत बंद सफल बनावें!

प्यारे कॉमरेडों! लोगों! मित्रों!

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी(माओवादी) की केंद्रीय कमेटी के आह्वान के मुताबिक आगामी 25 से 31 जनवरी, 2019 तक प्रतिक्रांतिकारी रणनीतिक दमन योजना 'समाधान'(2017–22) के खिलाफ देश भर में प्रचार अभियान चलाने एवं 31 जनवरी, 2019 को प्रस्तावित भारत बंद को सफल बनाने दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी क्रांतिकारी जनता, जनवादी प्रगतिशील व देशभक्त सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनपक्षधर आदिवासी, गैर–आदिवासी सामाजिक संगठनों के नेताओं व कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों, अधिवक्ताओं, कलाकारों, साहित्यकारों व इतिहासकारों, छात्रों एवं पार्टी, पीएलजीए व क्रांतिकारी जन कमेटियों के सभी कतारों से अपील करती है.

प्रचार सप्ताह के दौरान 'समाधान' दमन के विरोध में सभा, सम्मेलनों, रैलियों, संगोष्ठियों, आमसभाओं का आयोजन करना चाहिए. गीत, नृत्य, नुक्कड़ आदि के जरिए सांस्कृतिक संगठनों को समाधान हमलों के विरोध में जनता के बीच व्यापक प्रचार करना चाहिए. देश के प्रगतिशील–जनवादी–देशभक्त सामाजिक कार्यकर्ताओं, बद्धिजीवियों, लेखकों, पत्रकारों, कलाकारों, मानवाधिकार संगठनों व कार्यकर्ताओं, जनपक्षधर आदिवासी, गैर–आदिवासी सामाजिक संगठनों के नेताओं व कार्यकर्ताओं पर हमलों व उनकी हत्याओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर सड़क पर उतरकर जुझारु आंदोलन करना चाहिए. दंडकारण्य के संघर्ष इलाकों में जारी मुठभेड़ों, झूठी मुठभेड़ों व नरसंहारों(पूजारी कांकेर, आइपेटा, तिम्मेम, कसनूर–तुमिरगुंडा, नुल्कातोंग, गुमियाबेडा, साकिलेर आदि), जनता की बेदम पिटाई, महिलाओं पर अनगिनत अत्याचारों व हत्याओं, अवैध गिरफ्तारियों, कड़ी सजाओं के खिलाफ आवाज बुलंद करना चाहिए.

दरअसल 'समाधान'(2017–22) हमले का उद्देश्य है, देश में नवजनवादी राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवस्था के निर्माण के लिए जारी जनयुद्ध, उसे संचालित करने वाली हमारी पार्टी – भारत की कम्युनिस्ट पार्टी(माओवादी), उसकी जन मुक्ति छापामार सेना, उसके नेतृत्व में स्थापित व विकसित हो रही क्रांतिकारी जन कमेटियों – जनताना सरकारों को खत्म करना. साथ ही विस्थापन विरोधी जन आंदोलनों का सफाया करके देश की प्राकृतिक

संपदाओं, जल–जंगल–जमीन व संसाधनों को कौड़ियों के भाव देशी, विदेशी कॉरपोरेट घरानों के हवाले करना और देश को उनकी बेरोकटोक लूट की चारागाह बनाना.

ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादी 'संघ'(आरएसएस) परिवार की मोदी नीत भाजपा सरकार फासीवादी 'समाधान' दमन योजना के जरिए उत्पीड़ित जातियों को दबाते हुए उच्च जातियों का प्रभुत्व कायम करके; कश्मीर, असोम, नागा सहित तमाम राष्ट्रीयताओं की आजादी के आंदोलनों को दबाकर; हिंदू धर्मोन्माद व धर्मांध ाता के जरिए धार्मिक अल्पसंख्यकों को दबाकर हिंदू राष्ट्र का निर्माण करके; आगामी 2022 तक इस तरह के जनविरोधी 'नया भारत' का निर्माण करना चाहती है. इसके लिए देश भर के जनविरोध को, विरोध के हर स्वर को कुचल देना चाहती है. इसीलिए मोदी द्वारा आए दिन जोर–शोर से प्रवचित व प्रचारित जनविरोधी ब्राह्मणीय हिंदुत्व फासीवादी 'नया भारत' के सपने को ध्वस्त करना होगा.

हमारे देश में नवजनवादी क्रांति को सफल बनाने के लिए हमारी पार्टी के नेतृत्व में जनयुद्ध जारी है. उसे तेज करते हुए 'समाधान' हमले को हराने के लिए पीएलजीए में बड़े पैमाने पर युवाओं की भर्ती करनी चाहिए. पीएलजीए को मजबूत करना चाहिए. क्रांतिकारी आंदोलन के खात्मे के लिए शोषक सरकारों द्वारा अपनायी गयी 'अपनी ही उंगलियों से अपनी आंखें फोड़वाने' की नीति के तहत जारी 'बस्तरिया बटालियन', 'आदिवासी बटालियन' की भर्ती का बहिष्कार करें. संघर्ष इलाकों के युवाओं को शोषक सरकारों के हितों की रक्षा करने उनके सशस्त्र बलों–डीआरजी, सहायक आरक्षक, पुलिस, अर्ध सैनिक बल एवं सेना में भर्ती नहीं होनी चाहिए. लुटेरी सरकारों की धोखेबाजीपूर्ण आत्मसमर्पण नीति को लात मारकर विफल करना चाहिए.

दंडकारण्य में लुटेरे शोषक–शासक वर्गों की राज्यसत्ता को उखाड़ फेंकते हुए असली आजादी, असली विकास व स्वशासन की दिशा में गठित व विकसित होती जनता की जनवादी राज्यसत्ता के संगठन, क्रांतिकारी जनताना सरकारों को बचाने, मजबूत करने एवं उनका विस्तार करने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए व बड़े पैमाने पर संगठित होना चाहिए.

क्रांतिकारी अभिवादन सहित

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

05 दिसंबर, 2018

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)